कार्यालय थानाधिकारी पुलिस थाना चौ.हा.बोर्ड जोधपुर पश्चिम

pschb1@gmail.com_ ☎0291–2650762 दिनांक 03.09.2024

।। प्रेस नोट ।।

- **साइबर अपराधियो के विरूद्व चलाये जा रहे "ऑपरेशन एन्टी वायरस" के तहत पुलिस थाना चौहाबोर्ड की लगातार प्रभावी कार्यवाही ।**
- **पुलिस थाना चौ.हा.बोर्ड द्वारा वर्ष 2024 में साईबर ठगी की वारदातो में त्वरित कार्यवाही करते हुए कुल 48 लाख 43 हजार रूपये की राशि पीड़ितो के खातो मे रिफण्ड करवायी।**

राजस्थान पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन एन्टी वायरस के तहत साइबर अपराधियो के विरूद्व प्रभावी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके संबंध मे श्रीमान पुलिस आयुक्त जोधपुर श्रीमान राजेन्द्र सिंह व पुलिस उपायुक्त जोधपुर पश्चिम श्री राजर्षि राज वर्मा के निर्देशानुसार व अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री निशान्त भारद्वाज व सहायक पुलिस आयुक्त श्री अनिल कुमार वृत्त प्रतापनगर के सुपरविजन मे श्री नितिन दवे निपु थानाधिकारी के नेतृत्व मे साईबर एक्सपर्ट कानि. श्री दिनेश पटेल 728 व कानि श्री बाबुलाल 855 द्वारा साइबर शिकायतो पर तुरन्त प्रभावी कार्यवाही शुरू की गई ।

घटना का विवरण : साइबर ठगो द्वारा कम समय में ज्यादा पैसे कमाने का लालच देकर शेयर मार्केट, ऑनलाईन ट्रेडिंग एप या आईपीओ मे इन्वेस्ट करने के नाम पर टेलीग्राम या वॉट्स पर लालच भरा मेसेज भेजा जाता है जिस पर लालच में आकर भेजे गये मेसेज पर क्लिक करके फर्जी ट्रेडिंग ऐप या ट्रेडिंग वेबसाईट के ग्रुप में जॉइन हो जाते है जहां पर साईबर ठगो का गिरोह पहले से ही वॉटस अप ग्रुप में जॉईन होते है जो साईबर ठगी का झाल बिछाकर कुछ घण्टो में मुनाफा होने का फर्जी पेमेण्ट क्रेडिट होने का स्क्रीन शॉट वॉटस अप ग्रुप में शेयर करके विश्वास में ले लेते है तथा रूपये इन्वेस्टमेण्ट करने का प्रलोभन देते है। जिस पर लोग शुरू में छोटी रकम इन्वेस्ट करते है तथा ठग कुछ ही समय बाद थोड़े पैसे मिलाकर तुरन्त पीडीतो के बैक अकाउण्ट में वापस पैसे ट्रासफर कर विश्वास में ले लेते है फिर लाखो रूपये इन्वेस्टमेण्ट करने का प्रलोभन देते है जिस पर विश्वास में आकर लोग लाखो रूपये में राशि साईबर ठगो के खातों में ट्रासफर कर दी देते है। फिर साईबर ठग डमी ट्रेडिंग ऐप के अकाउण्ट में लाखों का मुनाफा दिखाकर परिवादीयों से खातों में पैसे जमा करवाते रहते है ओर जब परिवादी पैसे रिफण्ड की मांग करता है तो उसे ब्लॉक करके सारी राशि ठगकर ट्रेडिंग ऐप या ट्रेडिंग वेबसाईट को बन्द करके गायब हो जाते है।

साइबर शिकायतो का विवरण :

क्र.स.	परिवादी का नाम	परिवादी के बैक खाते मे पुलिस द्वारा रिफण्ड करवाई गई राशि
1.	श्री महेन्द्र कुमार ओस्तवाल	10,77,622 रूपये
2.	श्री आलोक गुप्ता	8,40,000 रूपये
3.	श्री लादूराम	6,41,780 रूपये
4.	श्रीमती सीमा	4,69,000 रूपये
5.	श्री प्रसुन्न राजपुरोहित	3,79,000 रूपये
6.	श्रीमती मोनिका खण्डेलवाल	2,44,387 रूपये
7.	श्री मनीष पवार	2,13,044 रूपये
8.	श्री महेश गौड़	1,75,000 रूपये

9.	श्री भुवनेश परिहार	1,01,014 रूपये
10.	श्री आशीष पेडिवाल	85,068 रूपये
11.	श्रीमती प्रतिभा जोशी	79,558 रूपये
12.	श्री हेमेन्द्र पंवार	60,000 रूपये
13.	सुश्री मीनल	64,000 रूपये
14.	सुश्री मोनिका रामावत	54,797 रूपये
15.	श्री खेमाराम	50,305 रूपये
16.	श्री आशीष आडवानी	50,007 रूपये
17.	श्रीमती मोनिका तेलानी	50,000 रूपये
18.	श्री अखराज	44,800 रूपये
19.	श्री रामेश्वर	43,400 रूपये
20.	श्री रामेश्वर मिर्धा	32,635 रूपये
21.	श्री रूपेश शर्मा	29,996 रूपये
22.	श्रीमति आकांक्षा खांगरोत	23,500 रूपये
23.	श्रीमती ज्योति मंगलानी	18,918 रूपये
24.	श्रीमती हेमा लालवानी	9,000 रूपये
25.	श्रीमती पुनम	6,169 रूपये
	कुल राशि	**48 लाख 43 हजार रूपये**

पुलिस कार्यवाही : पुलिस थाना चौहाबोर्ड द्वारा थाना हाजा पर प्राप्त साइबर ठगी की शिकायतो को गंभीरता से लेते हुए साईबर एक्सपर्ट कानि. श्री दिनेश पटेल 728 व कानि श्री बाबुलाल 855 द्वारा साईबर पुलिस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर तुरन्त प्रभाव से कार्यवाही करते हुऐ फ्रॉडकर्ताओ द्वारा ठगी के लिये उपयोग में लिये गये बैंक खातो को सम्बन्धित बैंको के नोडल अधिकारियों से सम्पर्क कर उनके साथ समन्वय स्थापित कर फ्रीज करवाकर फ्रॉडकर्ताओ के बैक खातों मे होल्ड/फ्रीज करवायी गयी। फ्रॉडकर्ताओ के बैक खातों मे होल्ड/फ्रीज राशि को पिड़ितों के खातों मे पुनः रिफण्ड करवाने हेतु माननीय न्यायालय से रिफण्ड का आदेश पारित करवाकर फ्रॉडकर्ताओ के फ्रीज खातो में से परिवादीयों को जनवरी 2024 से आज तक **48 लाख 43 हजार रूपये** की राशि रिफण्ड करवायी गयी।

चुकिं पूर्व मे भी पुलिस थाना चौहाबोर्ड द्वारा साइबर धोखाधडी की अलग–अलग शिकायतो मे भी विशेष रूचि लेकर पीड़ितो के खातो मे राशि रिफण्ड करवाई गई थी।

अतः आमजन से अपील की जाती है–

1. **ओटीपी/पिन/सीवीवी नंबर शेयर नहीं करें।**
2. **ऑनलाईन अकान्ट्स/नेटबैंकिग के** Alphanumeric special character **के साथ** complex **पासवर्ड रखें।**
3. **नाम/मोबाईल नंबर/जन्मतिथि को पासवर्ड नहीं बनाये।**
4. **लॉटरी/कैशबैक/रिफण्ड/गिफ्ट इत्यादि ऑनलाईन प्रलोभनों से सावधान रहें।**
5. **इन्वेस्टमेंट या ऑनलाईन ट्रेडिंग एप के जरिये कम समय में ज्यादा पैसे कमाने वाली स्कीम पर विश्वास नहीं करे।**
6. **यूपीआई पिन व क्यूआर कोड स्कैन का प्रयोग केवल भुगतान करने के लिए किया जाता है, न कि धन राशि प्राप्त करने के लिये।**
7. **सोशल मीडिया अकाउन्ट्स पर** Two step verification/Two factor authentication **ऑन रखें।**
8. **कस्टमर केयर के नंबर कभी भी गुगल से सर्च नहीं करें, केवल आधिकारिक वेबसाईट से प्राप्त करें।**
9. **अनजान लोगों से प्राप्त होने वाली वीडियो कॉल रिसीव नहीं करें और नही फ्रेन्ड रिक्वेस्ट स्वीकार करें।**
10. **अनजान क्यूआर कोड स्केन/लिंक पर क्लिक नहीं करें।**
11. **अनजान व्यक्ति के कहने पर** Remote access Apk Anydesk, Teamviewer, Airdrop, Meadmin, Airminer **इत्यादि एप्लिकेशन इन्स्टॉल या डाउनलोड नहीं करें।**
12. Whatsapp, Instagram, facebook, truecaller **की DP में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नाम वर्दी पहने फोटो या किसी परिचित व्यक्ति का फोटो दिखाई देने पर तत्काल**

विश्वास नहीं करें। कोई भी लेनदेन करने से पूर्व परिचित व्यक्ति से कॉल कर सत्यापन करें।

13. ऑनलाईन सोशल साईट पर पर्सनल फोटो/वीडियो शेयर नहीं करें।
14. Like/review/ratings के नाम पर घर बैठे रूपये कमाने के लालच में नहीं आवे और नही invest करें।
15. आरबीआई द्वारा स्वीकृत बैकिंग/नॉन बैकिंग वित्तिय संस्थानों के अधिकृत लोन ऐप से ही लोन लेवें।
16. गलत या धोखे से गलत व्यक्ति के खाते में यूपीआई से धनराशि ट्रांसफर होने पर www.npci.org.in पर ऑनलाईन शिकायत दर्ज करें।

" सावधानी ही सुरक्षा है "

जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस आपकी सेवा में सदैव तत्पर है।

(नितिन दवे नि.पु.)
थानाधिकारी
पुलिस थाना चौहाबोर्ड
जोधपुर पश्चिम